ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-02-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-02-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-02-05	2022-02-06	2022-02-07	2022-02-08	2022-02-09
वर्षा (मिमी)	25.0	0.0	0.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	2.0	7.0	9.0	10.0	10.0
न्यूनतम तापमान(से.)	-3.0	-2.0	1.0	2.0	2.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	90	85	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	60	55	50	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	120	100	320	300	300
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	0	1	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में आमतौर पर मौसम साफ रहेगा लेकिन 7 फरवरी को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी हो सकती है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 2.0 से 10.0 व -3.0 से 2.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/ घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। चेतावनीः4 से 6 फरवरी को कुछ स्थानों पर कड़ाके की ठंड पड़ने तथा 5 व 6 फरवरी को पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की सम्भावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 9 से 15 फरवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः सामान्य तथा सामान्य से कम से कम रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| सभी सब्जियों की फसलों में उचित जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें व वर्षा के बाद डायथेन एम-45 का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। किसान भाई पाले से अपनी फसलों को बचाने हेतु पानी का हल्का छिड़काव कर सकते है। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए अजवायन के साथ गुड़ देना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, आमतौर पर मौसम साफ रहेगा लेकिन 7 फरवरी को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी हो सकती है। 5 व 6 फरवरी को कड़ाके की ठंड तथा पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की सम्भावना है|

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	खेत में पानी की उचित निकासी को बनाए रखें। गेहूँ की फसल मे पीला रतुवा रोग का प्रकोप दिखाई पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल 25 ई0 सी0 का 1 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
सरसों	सरसो के खेत में पानी की उचित निकासी को बनाए रखें। सरसों में स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें और कार्बेन्डाजिम का 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
चना	जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाये रखें। चना में फलीबेधक के नियंत्रण हेतु, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस एल के 125 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस जी का 220 ग्राम, 500-600 लीटर पानी में घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
जौ	फसल मे पीला रतुवा रोग का प्रकोप दिखाई पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल 25 ई0 सी0 का 1 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाये रखें। अगर फसल के पौधों में, फूली हुई रोएदार वृद्धि जैसा, दिखाई दे तथा पौधे सूख रहे हो तो यह स्क्लेरोटिनियल सड़ान्ध है। अतः संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें। पछेती झुलसा का प्रकोप होने पर, मैनकोजेब 64% + सायमोक्सैनिल 8% डब्ल्यूपी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
आलू	खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाये रखें। बारिश के बाद डायथेन एम-45 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आलू में पछेती झुलसा का प्रकोप होने पर, मैनकोजेब 64% + सायमोक्सैनिल 8% डब्ल्यूपी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
सब्जी पीईए	खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाये रखें। मटर की फसल मे रतुए का प्रकोप होने पर, ट्राईएडीमेफॉन 25% डब्ल्यूपी का 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें।